13.1.67 रात्री क्लास–जहां विश्व की बादशाही 21जन्मों के लिए मिल सकती है तो यहां क्या है जो नहीं मिल सकता है?एक बाप जिसके हजारों बच्चे लाखों,करोड़ों हो जाने वाले हैं।तो बाप के पास कुछ कमी नहीं हो सकती है।मकान बनते हैं, साहुकार अथवा गरीब आकर रह सकते हैं।यहां फिर भी अच्छा है।बाहर में तो .....आदि लगे पड़े हैं।अनाज क्या मिलता है।किचड़ा ऐसे लगा पड़ा है जो बात मत पूछो।बिचारे पुरुषार्थ तो बहुत करते हैं।नैचुरल बरसात नहीं मिलती है तो क्या करेंगे।कोई समय ऐसा भी होगा जो कहीं से भी कुछ भी आ नहीं सकेगा।यह सब कुछ होने का है।फिर भी यहां तो बहुत आराम से बैठे हो।भले बाहर जाकर लखपति–करोड़पति बन गये हैं ;परंतु भविष्य के लिए यहां कितनी कमाई होती है।इसके लिए ही कहा जाता है सोर्स ऑफ इन्कम।डॉक्टर ,बैरिस्टर लोग क्या समझते हैं?यहां फिर है रुहानी पढ़ाई।ड्रामा अनुसार पढ़ते भी नम्बरवार ही हैं।कोई2 को पढ़ाई में ग्रहचारी भी बैठ जाती है।किसी को राहू की दसा बैठ जाती है।अगर श्रीमत पर चलते रहें तो अहोसौभाग्य।इससे उंच सौभाग्य होता नहीं है।भ्रष्ट से श्रेष्ट (बनते) हैं।कहो तो जैसे बंदर हैं।कुछ भी नहीं समझते हैं।शास्त्रों में भी है रत्नों को पत्थर समझ फेंक देते हैं।भक्तिमार्ग वाले ज्ञान की बातें सुनना नहीं (चाहते) हैं।तुम फिर भक्तिमार्ग की बातें सुनना नहीं चाहते हो।सी नो ईविल, हियर नो ईविल का चित्र पड़ा है ना।ज्ञान से कितनी रोशनी मिल जाती है।भक्ति से है अंधेरा।बाप आते हैं भारत को हेविन बनाने।बच्चों को भी उतना ही उत्साह होना चाहिए।यह कमाई कितनी सहज है।यह है ही सहज राजयोग।बाप की मत पर चलना है।मूल बात है यह।उसमें भी नम्बरवन मिलती है मत मनमनाभव।बाप ने स्मृति दिलाई है मुझे याद करने से तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे।अब कोई पाप नहीं करना है।किसी को भी देख.....नहीं देना है।जितना हो सके सवेरे ,शाम याद का अभ्यास रखना है।कम कार डे, दिल यार डे।कर्म भल करते रहो।हठयोग, कर्मसन्यास तो है नहीं।मेहनत है।माया योग लगाने नहीं देती है।धीर2 सब पुरुषार्थ कर रहे हैं।ओम।